भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न सं० *11 (11वीं स्थिति)

दिनांक 17.07.2017 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के कार्यान्वयन के लिए फोटो लेने की मनाही

***11. श्री हुसैन दलवईः**

क्या **पेयजल और स्वच्छता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों को खुले में शौच कर रहे लोगों का फोटो लेना होता है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) यदि नहीं, तो इस प्रकार के कार्य में लिप्त पाए गये अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाएगी;

(घ) क्या मंत्रालय को खुले में शौच करने वाले लोगों विशेषकर, महिलाओं के फोटो लेने वाले अधिकारियों के संबंध में कोई शिकायतें मिली हैं;

(ङ) क्या अधिकारियों को खुले में शौच करने वाली महिलाओं का फोटो लेने से मना करने वाले व्यक्तियों से मार–पीट करने की अनुमति है; और

(च) यदि नहीं, तो लोगों से मार–पीट करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाएगी ?

उत्तर

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री

(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) से (च) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

दिनाँक 17.07.2017 को उत्तर दिए जाने के लिए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं० *11 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग) जी नहीं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की शुरूआत 2.10.2014 को हुई थी जिसका लक्ष्य 2.10.2019 तक स्वच्छ भारत की प्राप्ति करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के सभी परिवारों और गरीबी रेखा से ऊपर के चिह्नित (एपीएल) परिवारों (सभी अ.जा./अ.ज.जा., लघु और सीमांत किसानों, अधिवास वाले भूमिहीन मजदूरों, दिव्यांगजन और महिला प्रमुख परिवारों) को वैयक्तिक पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) के निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि के प्रावधान को 10,000 रुपए से बढ़ाकर 12,000 रुपए कर दिया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के प्रारंभ में, ग्रामीण भारत में अनुमानित रूप से 55 करोड़ लोग खुले में शौच करते थे। आज, खुले में शौच करने वालों की अनुमानित संख्या घटकर लगभग 30 करोड़ हो गई है। ग्रामीण भारत में स्वच्छता कवरेज, मिशन की शुरूआत में 42% से बढ़कर 65% हो गया है। 5 राज्यों, 149 जिलों और 2.06 लाख गांवों ने स्वयं को खुले में शौच मुक्त घोषित कर दिया है। मिशन के प्रारंभ से ग्रामीण भारत में लगभग 4.39 करोड़ शौचालय बनवाए गए हैं।

(घ) से (च) जी नहीं। स्वच्छता राज्य का विषय है। तथापि, राज्यों को सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन अभियान चलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिसमें खुले में शौच से बचने के लिए शौचालय उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

******